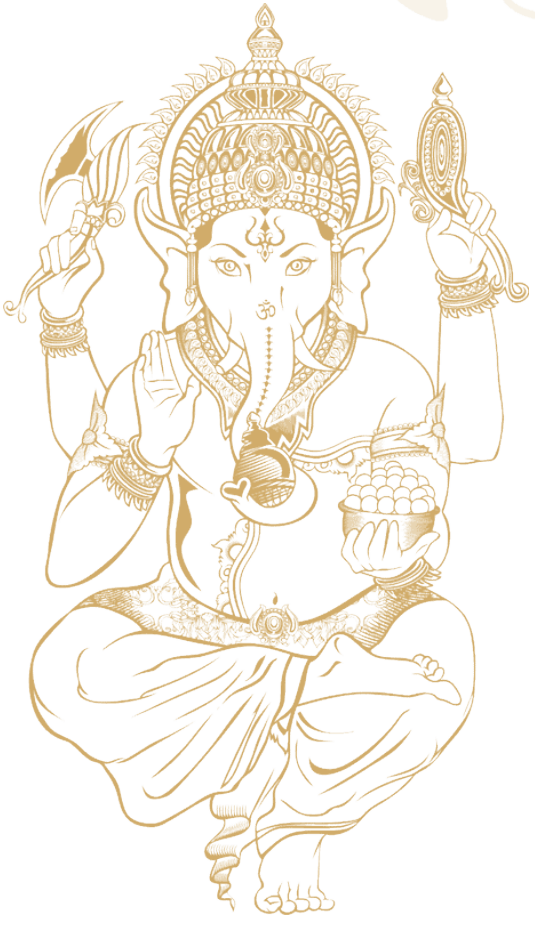

Mr. Durgesh

12 Apr 1994

09:20 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121013002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/04/1994**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:20:00 घंटे**
इष्ट	08:20:56 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:58:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:53 घंटे
साम्पातिक काल	22:19:21 घंटे
सूर्योदय	05:59:37 घंटे
सूर्यास्त	18:44:55 घंटे
दिनमान	12:45:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	28:14:09 मीन
लग्न के अंश	25:24:59 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	विष्कुम्भ
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	25:24:59	350:24:53	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			मीन	28:14:09	00:58:52	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मेष	10:39:44	11:47:24	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			मीन	04:12:10	00:46:43	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
बुध			मीन	10:23:52	01:43:18	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	नीच राशि
गुरु	व		तुला	18:14:16	00:06:46	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	18:57:42	01:13:40	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि			कुंभ	14:42:13	00:05:57	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	00:11:36	00:02:32	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	00:11:36	00:02:32	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
हर्ष			मक	02:24:57	00:00:57	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:31:14	00:00:26	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	03:49:18	00:01:16	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	09:06:27	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:51

लग्न-चलित

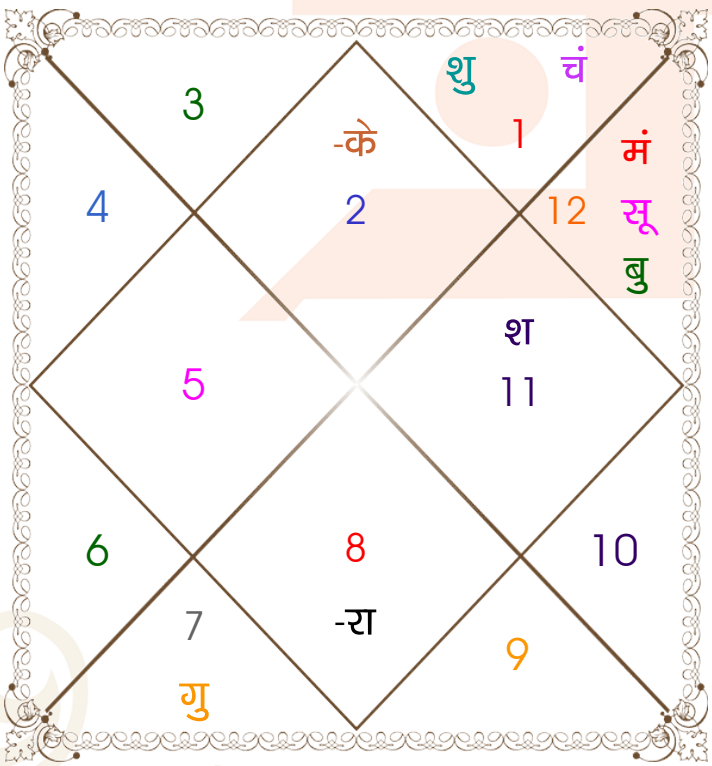

चन्द्र कुंडली

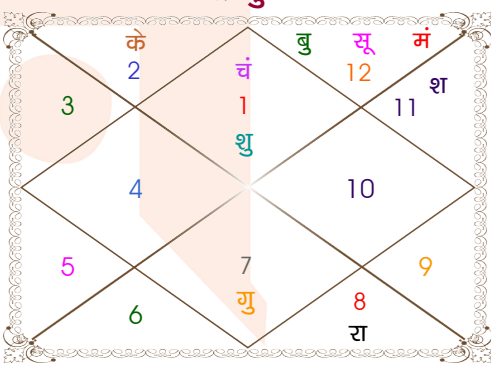

नवमांश कुंडली

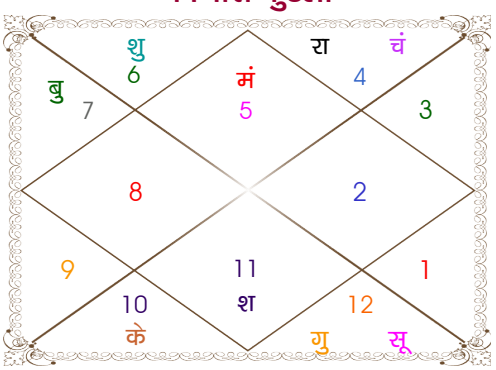

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 4 मास 25 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/04/1994		06/09/1995		06/09/2015		06/09/2021		06/09/2031	
06/09/1995		06/09/2015		06/09/2021		06/09/2031		06/09/2038	
	00/00/0000	शुक्र	06/01/1999	सूर्य	25/12/2015	चंद्र	07/07/2022	मंगल	02/02/2032
	00/00/0000	सूर्य	06/01/2000	चंद्र	24/06/2016	मंगल	05/02/2023	राहु	20/02/2033
	00/00/0000	चंद्र	06/09/2001	मंगल	30/10/2016	राहु	06/08/2024	गुरु	27/01/2034
	00/00/0000	मंगल	06/11/2002	राहु	24/09/2017	गुरु	06/12/2025	शनि	07/03/2035
	00/00/0000	राहु	05/11/2005	गुरु	13/07/2018	शनि	07/07/2027	बुध	04/03/2036
	00/00/0000	गुरु	06/07/2008	शनि	25/06/2019	बुध	06/12/2028	केतु	31/07/2036
	12/04/1994	शनि	06/09/2011	बुध	01/05/2020	केतु	07/07/2029	शुक्र	30/09/2037
शनि	09/09/1994	बुध	07/07/2014	केतु	05/09/2020	शुक्र	07/03/2031	सूर्य	05/02/2038
बुध	06/09/1995	केतु	06/09/2015	शुक्र	06/09/2021	सूर्य	06/09/2031	चंद्र	06/09/2038

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/09/2038		05/09/2056		05/09/2072		06/09/2091		06/09/2108	
05/09/2056		05/09/2072		06/09/2091		06/09/2108		00/00/0000	
राहु	19/05/2041	गुरु	25/10/2058	शनि	09/09/2075	बुध	02/02/2094	केतु	03/02/2109
गुरु	13/10/2043	शनि	07/05/2061	बुध	19/05/2078	केतु	30/01/2095	शुक्र	05/04/2110
शनि	19/08/2046	बुध	13/08/2063	केतु	28/06/2079	शुक्र	30/11/2097	सूर्य	10/08/2110
बुध	07/03/2049	केतु	19/07/2064	शुक्र	28/08/2082	सूर्य	06/10/2098	चंद्र	12/03/2111
केतु	26/03/2050	शुक्र	20/03/2067	सूर्य	10/08/2083	चंद्र	08/03/2100	मंगल	08/08/2111
शुक्र	25/03/2053	सूर्य	06/01/2068	चंद्र	10/03/2085	मंगल	05/03/2101	राहु	25/08/2112
सूर्य	17/02/2054	चंद्र	07/05/2069	मंगल	19/04/2086	राहु	22/09/2103	गुरु	01/08/2113
चंद्र	19/08/2055	मंगल	13/04/2070	राहु	23/02/2089	गुरु	28/12/2105	शनि	13/04/2114
मंगल	05/09/2056	राहु	05/09/2072	गुरु	06/09/2091	शनि	06/09/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 4 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।